गाँधी अध्ययनपीठ

महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी

एम0ए0 गांधी विचार

सेमेस्टर पद्धति हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम

सत्र 2013–2014

प्रथम सेमेस्टर

एवं

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र विवरण

प्रथम सेमेस्टर		प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
			100
प्रथम प्रश्न पत्र	–	गाँधी दर्शन– आधार एवं चिन्तन (प्रथम)	
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	भारत में पुनर्जागरण : राष्ट्रवाद एवं राजशास्त्रात्मक चिन्तन।	
तृतीय प्रश्न पत्र	–	गाँधी एवं सत्याग्रह	
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	गाँधी जी का सामाजिक चिन्तन	

द्वितीय सेमेस्टर		प्रश्न पत्र का नाम	पूर्णांक
			100
प्रथम प्रश्न पत्र	–	गाँधी दर्शन – आधार एवं चिन्तन (द्वितीय)	
द्वितीय प्रश्न पत्र	–	गाँधी जी का राजनैतिक चिन्तन	
तृतीय प्रश्न पत्र	–	सामाजिक परिवर्तन : अवधारणा एवं सिद्धान्त	
चतुर्थ प्रश्न पत्र	–	परवर्ती गाँधीवादी चिन्तन	

एम0 ए0 (गाँधी विचार) प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

गाँधी दर्शन – आधार एवम् चिन्तन

इकाई – प्रथम

महात्मा गाँधी : बाल्यकाल, एवम् युवावस्था – प्रमुख घटनायें एवम् व्यक्तित्व विकास।

भारतीय स्वतन्त्रा आन्दोलन एवम् गांधी

इकाई – द्वितीय

भारतीय दर्शन में आस्तिक एवं नास्तिक चिन्तन का वर्गीकरण

बौद्ध दर्शन – चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, बौद्ध दर्शन के सम्प्रदाय।

जैन दर्शन – स्याद् वाद, त्रिरत्न एवं पंचमहाव्रत।

इकाई – तृतीय

पाश्चात्य विचारधारा एवं गांधी चिन्तन : लियो टालस्टाय, जॉन रस्किन, डेविड थोरो एवम् बाइबिल का गांधी चिन्तन पर प्रभाव।

गांधीवादी तत्व चिन्तन : मनुष्य जगत एवम् ईश्वर।

इकाई – चतुर्थ

गाँधीवादी आचार शास्त्र – साध्य एवं साधन, उपयोगितावाद, सर्वोदय, गाँधीवादी नैतिक आदर्श।

गाँधीवादी मूल्य सिद्धान्त – नैतिक, सद्गुण, एकादशव्रत

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय पुनर्जागरण (Indian Renaissance)

इकाई – प्रथम

भारतीय पुनर्जागरण के आयाम। राजा राम मोहन राय : सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक विचार। ब्रह्म समाज। देवेन्द्र नाथ ठाकुर तथा केशव चन्द्र सेन के विचार।

इकाई – द्वितीय

स्वामी दयानन्दन सरस्वती : सामाजिक विचार, भारतीय राष्ट्रवाद। आर्य समाज।

इकाई – तृतीय

स्वामी विवेकानन्द : सामाजिक तथा धार्मिक विचार। रामकृष्ण मिशन। विवेकानन्द का समाजशास्त्र।

इकाई – चतुर्थ

श्री अरविन्द : राजनीतिक परिप्रेक्ष्य। अतिमानव का सिद्धांत। राष्ट्रवाद।

डॉ. भगवान दास के सामाजिक तथा धार्मिक विचार।

गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के सामाजिक तथा शिक्षा संबंधी विचार।

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

(भारत में पुनर्जागरण : राष्ट्रवाद एवं राजशास्त्रात्मक चिन्तन)

इकाई – प्रथम

* ब्रम्ह समाज – राजा राम मोहन राय, देवेन्द्र नाथ ठाकुर, केशवचन्द्र सेन

इकाई द्वितीय

* एनी बेसेन्ट, भगवान दास एवं गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर

इकाई तृतीय

* आर्य समाज एवं दयानन्द सरस्वती का योगदान।

इकाई चतुर्थ

* स्वामी विवेकानन्द का शक्ति योग, राजनैतिक दर्शन एवं समाज शास्त्र।

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
(गाँधी एवं सत्याग्रह)

इकाई – प्रथम

* महात्मा गाँधी के दृष्टि में मानव समाज में हिंसा का आधार।
* अहिंसक वर्ग संघर्ष की गाँधीवादी अवधारणा एवं इसका औचित्य।
* मानव समाज में हिंसा पर नियन्त्रण के उपकरण के रूप में सत्याग्रह।

इकाई – द्वितीय

* सत्याग्रह की विधियाँ एवं प्रविधियाँ – कर न देना, असहयोग एवं नागरिक अवज्ञा आदि।
** सत्याग्रह एवं निष्क्रिय प्रतिरोध – एक अध्ययन, सत्याग्रह की प्रधानता।

इकाई – तृतीय

* गाँधी जी का अखिल भारतीय सत्याग्रह – असहयोग, नागरिक अवज्ञा एवं भारत छोड़ो आन्दोलन।
** गाँधी जी का स्थानीय सत्याग्रह – चम्पारण, खेड़ा एवं अहमदाबाद सत्याग्रह।

इकाई – चतुर्थ

* बदलते परिप्रेक्ष्य में गाँधी जी के सत्याग्रह की प्रासंगिकता।
* गाँधी जी के सत्याग्रह का भारतीय समाज पर प्रभाव।

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र
(गाँधी जी का सामाजिक चिन्तन)

इकाई – प्रथम

* गाँधी जी के सामाजिक चिन्तन की विशेषतायें।
* व्यक्ति और समाज का सम्बन्ध।
* गाँधी जी के अनुसार समाज में व्यक्ति का स्थान।
* गाँधी जी के अनुसार आदर्श मनुष्य, मनुष्य के जन्मजात शुभत्व का सिद्धान्त।

इकाई – द्वितीय

* समाज संरचना – वर्ण और जाति, शोषित (अनुसूचित जाति व जनजाति) और अभिजात – स्वरुप, समस्यायें एवं समाधान।
** गाँधी जी के चिन्तन में सभ्यता एवं संस्कृति की अवधारणा।

इकाई – तृतीय

* शोषित वर्ग – महिलाएँ, अछूत एवं अन्य।
** कमजोर वर्ग – अवधारणा, स्वरुप – महिलायें, बच्चे, विकलांग एवम् अल्पसंख्यक, समस्याएँ एवं समाधान हेतु गाँधी जी का दृष्टिकोण।

*** सामाजिक बुराइयाँ – मद्यपान, दहेज प्रथा, जातिवाद, साम्प्रदायिकता – स्वरुप एवम् समस्या निवारण।

इकाई – चतुर्थ

* समाज की पुनर्संरचना में धर्म एवं नीति का स्थान – आत्म संयम, आत्मनिर्भरता और पारस्परिक सहयोग।

** वैयक्तिक स्वतंत्रता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व – सर्वोदय मूलक समाज में समन्वय।

*** बदलते सामाजिक सन्दर्भ में गाँधी जी के सामाजिक चिन्तन की प्रासंगिकता।

एम0 ए0 गाँधी विचार : द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

गाँधी दर्शन – आधार एवं चिन्तन (द्वितीय)

इकाई – प्रथम

* महात्मा गाँधी की प्राकृतिक चिकित्सा एवं शाकाहार सम्बन्धी दर्शन।

** महात्मा गाँधी की धर्म सम्बन्धी अवधारणा, नैतिक धर्म, सनातन हिन्दू के रूप में गाँधी, सर्वधर्म समभाव, मानवतावाद, धर्म एवं समाज।

इकाई – द्वितीय

* महात्मा गाँधी का अहिंसा दर्शन, अहिंसा दर्शन के विकास में गाँधी का योगदान।

** गाँधी एवं गीता, गाँधी जी के विचार में गीता की प्रासंगिकता।

*** समकालीन सन्दर्भ में गाँधी चिन्तन की प्रासंगिकता।

इकाई – तृतीय

* गाँधी एवं इसाई मत

** गाँधी एवं इस्लाम

*** गाँधी एवं आधुनिक दर्शन

*** गाँधी एवं भारतीय धर्म दर्शन

इकाई – चतुर्थ

* गाँधी की दृष्टि में मोक्ष

** परमपद, विदेह मुक्ति

*** सधोमुक्ति एवं क्रम मुक्ति

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र
(गाँधी जी का राजनैतिक चिन्तन)

इकाई – प्रथम

* गाँधी जी का राजनैतिक चिन्तन : अवधारणा, उत्पत्ति एवं आधार (पाश्चात्य – रस्किन, टालस्टॉय एवं थोरो
  भारतीय – गीता एवं गोपालकृष्ण गोखले)

इकाई – द्वितीय

* राजनैतिक आदर्श : स्वराज्य या राज्यविहीन समाज पाश्चात्य का अराजकतावाद, मार्क्सवाद।

** राज्य शक्ति का व्यावहारिक सिद्धान्त – अहिंसक विकेन्द्रीकृत, राजनीतिक व्यवस्था, ग्राम स्वराज का दृष्टिकोण।

इकाई – तृतीय

* वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था एवं दलीय कार्य प्रणाली।

** राज्य के सामाजिक–आर्थिक कार्य, कर्तव्य एवं अधिकार।

*** राज्य की नागरिक व सैन्य शक्ति के मध्य प्रतियोगी संघर्ष एवं इसका गाँधीवादी समाधान।

इकाई – चतुर्थ

* अहिंसक राज्य की विदेश नीति : नि–शस्त्रीकरण एवं नागरिक सुरक्षा, राज्य की परमाणु नीति।

* राष्ट्रवाद, अन्तर्राष्ट्रीयवाद, विश्व शान्ति एवं विश्व सरकार।

* भारतीय संविधान पर गाँधी जी का प्रभाव।

* गाँधी विचार के सन्दर्भ में समाजवाद एवं साम्यवाद का तुलनात्मक अध्ययन।

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र
सामाजिक परिवर्तन एवं गांधी

इकाई – प्रथम

* सामाजिक परिवर्तन – अवधारणा, प्रकार, साधन या अभिकरण, स्रोत।

इकाई द्वितीय

* शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन।
* ग्राम एवं सामाजिक परिवर्तन।
* भारतीय परिप्रेक्ष्य में सामाजिक परिवर्तन – महिला सशक्तिकरण, अस्पृश्यता निवारण, कुष्ठ निवारण।
* विभिन्न राष्ट्रों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक परिवर्तन के समबन्ध में अहिंसक विचार।

इकाई – तृतीय

* सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में गाँधी जी के रचनात्मक कार्यक्रम।
* रचनात्मक कार्यक्रम का दर्शन – क्रान्ति के उपकरण के रूप में, जन जागृति, आत्मनिर्भरता का विकास, नेतृत्व एवं जनसहभागिता में विश्वास।

इकाई – चतुर्थ

* रचनात्मक कार्यक्रम के विभिन्न प्रकार – पूर्व एवं वर्तमान में महत्व।
* चिपको आन्दोलन एवं गोसंरक्षण के सन्दर्भ में देवनार सत्याग्रह।

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र
(परवर्ती गाँधीवादी चिन्तन)

इकाई – प्रथम

* गाँधीवादी चिन्तन में विनोबा जी का योगदान – भूदान, सम्पत्ति दान, ग्रामदान, जीवन दान, आचार्य कुल, शान्ति सेना, महिला शक्ति, तृतीय शक्ति, ब्रम्ह विधा, चम्बल का चमत्कार।

इकाई – द्वितीय

* जयप्रकाशजी की सम्पूर्ण क्रान्ति, भारतीय राज व्यवस्था एवं दल रहित प्रजातंत्र, जनशक्ति और युवाशक्ति का संगठन, चम्बल के डाकुओं का आत्म समपर्ण, गाँधी चिन्तन की दृष्टि से जयप्रकाश नारायण का योगदान।
* गाँधी चिन्तन में डॉ0 राम मनोहर लोहिया का योगदान – सप्तसूत्री क्रान्ति, सत्याग्रह, असहयोग आन्दोलन एवं घेराव।

इकाई – तृतीय

* खान अब्दुल गफ्फार खाँ (सीमान्त गाँधी) और खुदाई खिदमतगार– इसका लक्ष्य और संगठन।
** मार्टिन लूथर किंग जूनियर और उनका असहयोग आन्दोलन।

इकाई – चतुर्थ

* पं0 जवाहर लाल नेहरु के चिन्तन पर महात्मा गाँधी का प्रभाव।
** आचार्य नरेन्द्र देव के चिन्तन पर महात्मा गाँधी का प्रभाव।